ॐ

हिन्दी भाषाभिवृद्धि संघ, वत्राप.

अभिनन्दन-पत्र.

प्रिय महाशय!

हमारे संघ की ओर से जो नाटक पिछले साल खेला गया, उस सुअवसर पर हमारे साथ देकर हिन्दी भाषाभिवृद्धि के लिए आपने नींव डाली है। आपका यह शुभागमन इसमें नवीन स्फूर्ति पैदा करे।

विज्ञान-कला श्रेष्ठ,

अंग्रेजों का कहना है कि पूर्व और पश्चिम एक नहीं हो सकते। इस कथन को गलत साबित करने में आपका बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा है। आपके बुद्धि-विकास के लिए धन्यवाद।

अभिनव संसार में विज्ञान के ज़रिये रचनात्मक तथा विनाशात्मक कार्यों का ज्ञान प्राप्त कर, एक ओर सभ्यता की सृष्टि और दूसरी तरफ़ नष्ट कर दिखाते हैं। रचनात्मक ~~कार्य~~ ही को देश तथा ईश्वर की सेवा समझकर आपके ज्ञान से उसकी उन्नति कर रहे हैं। आपका यह काम प्रशंसनीय है।

विश्व के इनेगिने विज्ञान शास्त्रियों में आपका स्थान बहुत ऊंचा है। हम मंगलमय भगवान से एकमात्र याचना करते हैं कि आपके ज्ञान की वृद्धि हो जिससे मातृभूमि का गौरव बढ़े। वह आपको स्वस्थ तथा दीर्घजीवी बनावे।

वत्राप,
२४.२.'४१.

हम हैं, आपके
हिन्दी प्रेमी जन।